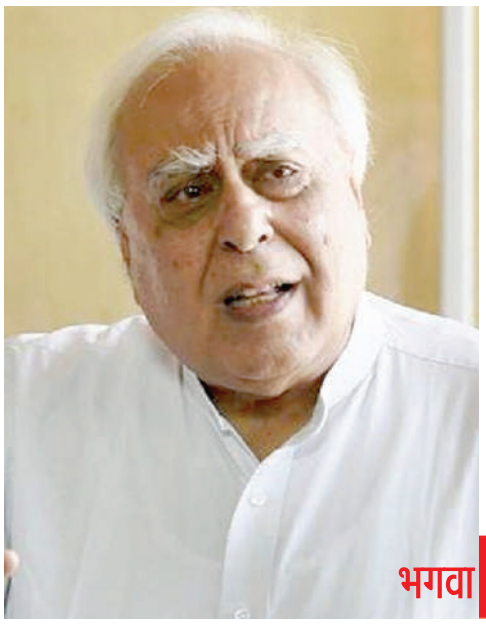

सांध्य दैनिक 4PM

बड़ी सावधानी और चतुराई से अपने कदम बढ़ाइये और याद रखिये की जीवन संतुलन बनाये रखने का एक महान काम है।

-डॉ. सिअस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 190 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 अगस्त, 2022

भगवा हो गये सीबीआई... 8 | उत्तर प्रदेश में अब राजीव गांधी... 3 | मोदी बनाम केजरीवाल होगा लोक... 7

आबकारी नीति पर घिरे सिसोदिया बोले

एक-दो दिन में मुझे भी कर लेंगे गिरफ्तार

सीबीआई छापों के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम ने केंद्र पर साधा निशाना

» आबकारी नीति में नहीं हुआ कोई घोटाला, कार्रवाई से हम डरने वाले नहीं

» अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से हो रही है केंद्र सरकार को दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आबकारी नीति में गड़बड़ी को लेकर घर समेत अन्य ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आज केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल को परेशान करने के लिए आगामी एक-दो दिन में सीबीआई अफसर मुझे भी गिरफ्तार कर सकते हैं।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि केंद्र सरकार को अरविंद केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता से दिक्कत हो रही है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंत्री सत्येंद्र जैन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अब अरविंद केजरीवाल को परेशान करने के लिए मुझे भी एक या दो दिन में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जा सकता है मगर हम डरने वाले नहीं हैं। इन्हें घोटाले या घपले से कोई मतलब नहीं है, इन्हें फिक्र है कि अरविंद केजरीवाल को कैसे रोका जाए? अगर शराब मुद्दा होता तो सबसे पहले गुजरात में कार्रवाई होती, जहां शराब से प्रति वर्ष 10 हजार करोड़ की कर चोरी होती है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हमारे घर सीबीआई की टीम आई। वे ऊपर के आदेश पर आए थे। उन्होंने कहा कि मैं दावा करता हूं कि जिस आबकारी नीति को लेकर बवाल किया जा रहा है उसमें कोई भी घोटाला नहीं है। यह नीति एक बेहतर नीति है। उपराज्यपाल ने 48 घंटे पहले नीति में बदलाव नहीं किया होता तो इस नीति से प्रति वर्ष 10 हजार का राजस्व मिलता, मगर उपराज्यपाल ने बदलाव कर दिया, इससे समस्या खड़ी हुई है।

कल सीबीआई ने की थी छापेमारी

सीबीआई ने आबकारी नीति में कथित धांधली को लेकर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास समेत 31 जगहों पर छापे मारे थे। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की सिफारिश पर सीबीआई ने 17 अगस्त को नामजद प्राथमिकी दर्ज की थी। दिल्ली के अलावा छह स्थानों लखनऊ, गुरुग्राम, मुंबई, चंडीगढ़, हैदराबाद व बंगलूरू में छापे मारे थे। सिसोदिया पर राजकोष को नुकसान पहुंचाने व शराब कारोबारियों को अनुचित लाभ देने का आरोप हैं। दिल्ली के मुख्य सचिव की रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल ने नामजद अधिकारियों समेत 11 को निलंबित कर दिया था।

एफआईआर में इन लोगों के हैं नाम

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, तत्कालीन आबकारी आयुक्त अरवा गोपीकृष्णा, तत्कालीन आबकारी उपायुक्त आनंद तिवारी, अतिरिक्त आयुक्त पंकज भटनागर, एंटरटेनमेंट एंड इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ऑनली मच लाउडर के सीईओ विजय नायर, पेरनोड रिकार्ड के पूर्व कर्मी मनोज राय, ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमनदीप ढल, इंडोस्प्रिट ग्रुप के प्रबंध निदेशक समीर महेंद्रू, बड़ी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमित अरोड़ा, फर्म बडी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड, दिनेश अरोड़ा, फर्म महादेव लिकर्स, महादेव लिकर्स के वरिष्ठ अधिकारी सन्नी मारवाह, अरुण रामचंद्र पिल्लई, अर्जुन पांडे व अज्ञात के नाम एफआईआर में हैं।

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी ने सिसोदिया से इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने दिल्ली आबकारी नीति को लागू करने में भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्तता को लेकर मनीष सिसोदिया से इस्तीफे की मांग की। पार्टी ने यह मांग तब की जब सीबीआई टीम 15 घंटे तक डिप्टी सीएम के घर छापेमारी की। कांग्रेस नेता अलका लांबा और अभिषेक दत्त का कहना है कि मनीष सिसोदिया को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

अयोध्या पहुंचे डिप्टी सीएम केशव मौर्य और बृजेश पाठक

» उपमुख्यमंत्री मौर्य ने रामलला के किये दर्शन सीएचसी का लिया जायजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक आज एक साथ अयोध्या पहुंचे। राम कथा पार्क पर दोनों डिप्टी सीएम का भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। केशव मौर्य ने श्रीरामजन्मभूमि परिसर में रामलला का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे हनुमान गढ़ी पहुंचे, जहां हनुमान लला के दरबार में माथा टेका। वहीं बृजेश पाठक अंबेडकरनगर के लिए रवाना हो गए। वहां से वे बस्ती जाएंगे।

डिप्टी सीएम केशव मौर्य सीएचसी पूरा बाजार का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने पूरा बाजार विकासखंड के सरेठी गांव में चौपाल लगाया। सरेठी में ही आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन अमृत सरोवर व हर घर जल मिशन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके साथ ही ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों के साथ वह कार्य प्रगति की समीक्षा भी कर सकते हैं। वे सर्किट हाउस में रात्रि प्रवास करेंगे।

बांकेबिहारी मंदिर में हादसा, भीड़ के दबाव से दो श्रद्धालुओं की मौत

» सीएम ने जताया दुख व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वृंदावन। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध बांकेबिहारी मंदिर में होने वाली मंगला आरती के समय उमड़ी भारी भीड़ के चलते बड़ा हादसा हो गया। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत दम घुटने से हो गई जबकि सात घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बांकेबिहारी मंदिर में रात 1.55 बजे मंगला आरती हुई। मंगला आरती के दर्शन के लिए शुक्रवार की रात मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालु पहुंच गए। मंदिर में क्षमता से कई गुना अधिक लोगों के होने के कारण भीड़ का दबाव बढ़ गया। मंदिर के गेट नंबर एक और चार पर भीड़ के दबाव के चलते दो श्रद्धालुओं नोएडा निवासी निर्मला देवी और जबलपुर के राम प्रसाद विश्वकर्मा (65) की मौत हो गई। मंदिर में जिस समय हादसा हुआ उस समय डीएम, एसएसपी , नगर आयुक्त सहित भारी पुलिस बल मौजूद था। पुलिस और निजी सुरक्षाकर्मियों ने बेहोश हो रहे श्रद्धालुओं को मंदिर से निकालना शुरू किया। हादसे में घायल श्रद्धालुओं को वृंदावन के राम कृष्ण मिशन, ब्रज हेल्थ केयर और सौ शैय्या अस्पताल भेजा गया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के साथ ही घायलों के समुचित इलाज का निर्देश भी दिया है। साथ ही गृह विभाग को त्योहारों पर धर्म स्थलों में भीड़ को देखते हुए और कड़े इंतजाम के निर्देश दिए।

सात घायल, मंदिर में क्षमता से कई गुना अधिक लोग पहुंचे थे दर्शन को

यूपी में अच्छे और खराब अफसरों की तैयार हो रही है गोपनीय रिपोर्ट

» मुख्यमंत्री की नजर अब शासन से लेकर तहसील व थानों तक पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुड गवर्नेंस के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नजर अब शासन से लेकर तहसील व थानों तक पर है। उनकी गतिविधियों पर बारीक नजर रखी जा रही है। जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस) और सीएम हेल्पलाइन 1076 में आने वाली शिकायतों के निस्तारण के आधार पर हर माह सीएम योगी को गोपनीय रिपोर्ट भेजी जा रही है। इसमें काम के आधार पर 10 अच्छे व 10 खराब की रैंकिंग तैयार की जा रही है। यही नहीं, शासन स्तर के विभागों और फील्ड में तैनात कमिश्नरों, डीएम, विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष और नगर आयुक्त की रिपोर्ट भी सीएम को भेजी जा रही है।

इसी तरह पुलिस में एडीजी, आईजी, डीआईजी, पुलिस आयुक्त, एसएसपी और एसपी की भी रिपोर्ट अलग से दी जा रही है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों का कहना है कि गुड गवर्नेंस के लिहाज से सीएम खुद विभिन्न विभागों के कार्यकलापों, अफसरों की परफॉर्मेंस और जन समस्याओं के निस्तारण आदि की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जिले स्तर पर तैनात अफसरों को निर्देश दिए हैं कि तहसील, थाना और ब्लॉक स्तर पर ही शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। इससे आम लोगों को दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगी। शिकायतकर्ता की संतुष्टि ही शिकायत की गुणवत्ता का आधार मानी जाएगी।

खरा न उतरने वालों पर होगी कार्रवाई

सीएम योगी के निर्देश पर अच्छा काम करने वाले और शासन की अपेक्षाओं पर खरा न उतर पाने वाले विभागों व अफसरों की फेहरिस्त तैयार कराई जा रही है। इसका मूल्यांकन करने के बाद शासन की मंशा के अनुसार काम न करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

योगी ने आईजीआरएस और 1076 हेल्पलाइन पर एक ही शिकायत बार-बार आने और जिले की निम्न स्तरीय शिकायतें भी शासन स्तर तक आने पर कई बार नाराजगी जाहिर की है।

10 सबसे अच्छी और सबसे खराब तहसील

प्रयागराज की सदर, महराजगंज की निचलौल, सिद्धार्थनगर की बांसी, संभल की गुन्नौर, पीलीभीत की पूरनपुर, सीतापुर की लहरपुर, उन्नाव की हसनगंज, गोरखपुर की कैंपियरगंज, लखनऊ की मोहनलालगंज और शाहजहांपुर की पुवायां तहसील शीर्ष 10 में है। सबसे खराब तहसीलों में सोनभद्र की राबर्ट्सगंज, अंबेडकरनगर की आलापुर, सोनभद्र की घोरावल, बहराइच की कैसरगंज, सोनभद्र की दुद्धी, वाराणसी की राजा तालाब, लखीमपुर की धौरहरा, अमेठी की गौरीगंज, गाजीपुर की कासिमाबाद तथा कन्नौज में कन्नौज तहसील है।

10 सबसे अच्छे और खराब थाने

10 सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले थानों में लखीमपुर खीरी, कौशांबी, बुलंदरशहर, महराजगंज, श्रावस्ती व संभल के महिला थाने, सोनभद्र में माछी, लखीमपुर में चंदन चौकी, वाराणसी में महिला थाना बड़ागांव और इटावा में भरेह शामिल हैं। वहीं, सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले थानों में आगरा में बसई अरेला, मनसुखपुरा, सोनभद्र में रामपुर बर्कोनिया, गौतमबुद्धनगर में थाना सेक्टर 113, शाहजहांपुर में परौर, गाजीपुर में शादियाबाद, बलिया में फेफना, प्रयागराज में सिविल लाइंस, बहरिया और मउआइमा हैं।

चुनावी बाजी हारे तो दिल जीतने आजमगढ़ चले अखिलेश

» बाहुबली विधायक रमाकांत यादव से मिलने जाएंगे जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव 23 अगस्त को बाहुबली विधायक रमाकांत यादव से मिलने आजमगढ़ जेल जा रहे हैं। लगभग दो वर्ष तक जेल में रहे पार्टी के कद्दावर नेता आजम खां के प्रति बेरुखी के बाद हुई फजीहत से सपा अध्यक्ष ने सबक लिया है और जिस क्षेत्र को कन्नौज और मैनपुरी जैसा किला वह माने बैठे थे, वहां लोकसभा उपचुनाव में यादव-मुस्लिम गठजोड़ को उधड़ते देख चुके हैं।

संकेत स्पष्ट है कि चुनावी बाजी हारने के बाद अखिलेश अब दिल जीतने के लिए आजमगढ़ की ओर चल पड़े हैं। आजमगढ़ में 22 प्रतिशत यादव व 18 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं। यादव के अलावा अन्य पिछड़ा वर्ग के भी 18 प्रतिशत मतदाता हैं। दलित वोट भी यहां करीब 20 प्रतिशत है। ऐसे में सिर्फ यादव व मुस्लिम मतदाता मिलकर ही 40 प्रतिशत हो जाते हैं। यही कारण है कि वर्ष 2014 में मुलायम सिंह यादव यहां से सांसद बने थे, जबकि 2019 के चुनाव में अखिलेश यादव यहां से सांसद चुने गए। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद यहां भाजपा को केवल एक सीट से संतोष करना पड़ा था। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में आजमगढ़ की सभी 10 सीटें जीतने वाली सपा अखिलेश के इस्तीफे से खाली हुई लोकसभा सीट उपचुनाव में नहीं बचा पाई थी। करहल विधानसभा चुनाव जीतने के बाद अखिलेश ने आजमगढ़ संसदीय सीट से इस्तीफा दे दिया था। आजमगढ़ उपचुनाव के प्रचार में भाजपा से योगी आदित्यनाथ से लेकर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और तमाम मंत्री व विधायक जुटे थे। वहीं अखिलेश यादव आजमगढ़ सीट को लेकर इस कदर अति आत्मविश्वास में थे कि वे उपचुनाव में प्रचार करने तक नहीं गए। सपा ने यहां का टिकट भी नामांकन के अंतिम दिन फाइनल किया और धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा लेकिन बसपा उम्मीदवार गुड्डू जमाली ने सपा के मुस्लिम वोटों में सेंधमारी कर साइकिल पंचर कर दी और परिणाम भाजपा के पक्ष में चला गया।

इस बार कोई चूक नहीं करना चाहते अखिलेश

उपचुनाव में मिली हार से सीख लेते हुए अखिलेश वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए नए सिरे से समीकरण दुरुस्त करने में जुट गए हैं। आजम खां जब जेल में बंद थे तो उनसे मिलने न जाने पर अखिलेश की काफी खिंचाई हुई थी। आजम के समर्थकों व चाचा शिवपाल यादव ने भी उन्हें आड़े हाथों लिया था। अखिलेश इस बार कोई चूक नहीं करना चाहते हैं। यही वजह है कि आजमगढ़ के बाहुबली विधायक रमाकांत यादव से मिलने आजमगढ़ जेल जा रहे हैं। जहरीली शराब कांड में रमाकांत इन दिनों आजमगढ़ जेल में बंद हैं। पहले अखिलेश को यहां 20 अगस्त को पहुंचना था, किन्तु अब वे 23 अगस्त को आजमगढ़ पहुंचेंगे। यहां अखिलेश पार्टी के कई यादव व मुस्लिम नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। अखिलेश यह संदेश देने की कोशिश करेंगे कि यादव व मुस्लिम यदि बंट गए तो उसका फायदा भाजपा को उपचुनाव की तरह हो जाएगा।

दीपोत्सव में बनेगा नया विश्व रिकार्ड, जलेंगे 14 लाख दीप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

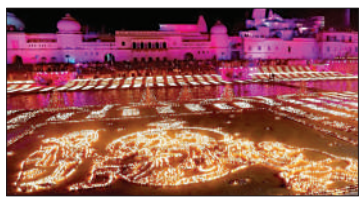

अयोध्या। रामनगरी में छठवां दीपोत्सव इस बार 23 अक्टूबर को मनाया जाएगा, जिसको लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार दीपोत्सव में एक बार फिर नया विश्व रिकार्ड बनाने की तैयारी है। इस बार सरयू तट पर 14.50 लाख दीप जलाने का लक्ष्य है। मंडलायुक्त नवदीप रिणवा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दीपोत्सव की तैयारियों पर मंथन किया।

दीपोत्सव की शुरूआत 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किया था। तब से लगातार हर वर्ष दीपोत्सव नए कलेवर में भव्यता का पर्याय बन गया है। सरकार ने दीपोत्सव को प्रांतीय मेला घोषित किया है। हर वर्ष दीपोत्सव में नया विश्व रिकार्ड बना है, इस वर्ष भी 14.50 लाख दीप जलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराने की तैयारी है। मंडलायुक्त ने कहा कि इस मेले में अन्य वर्षों की तुलना में बहुत ज्यादा भीड़ होगी क्योंकि वर्तमान में कोविड का असर नहीं है। इसलिए सभी विभाग आपसी तालमेल समन्वय के साथ बेहतर व्यवस्था के साथ काम करें। सभी निर्माण कार्य को 30 सितम्बर 2022 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाये।

प्रदेश की कानून व्यवस्था में हुआ सुधार : शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने कांग्रेस में शामिल होने की अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने इसे फर्जी खबर बताया। शिवपाल कल इटावा और फिरोजाबाद में कई कायक्रमों में शामिल हुए। इटावा में जब अटकलों के बारे में पूछा गया तो शिवपाल यादव ने इस संभावना को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ अफवाह है। उन्होंने दावा किया वह 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं।

समाजवादी पार्टी के साथ अपने गठबंधन के बारे में उन्होंने कहा कि जब हमें गठबंधन सहयोगी के रूप में नहीं माना जाता था, तो हम अलग हो गए। अब हम अपनी पार्टी को विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी में युवाओं को जिम्मेदारी दी गई है। फिरोजाबाद में शिवपाल ने कहा कि प्रदेश की कानून व्यवस्था में काफी कुछ सुधार हुआ है। हालांकि अभी और सुधार की जरूरत है।

निकायों की आय बढ़ाने का नया फॉर्मूला, बढ़ेगा गृह कर का दायरा

» शहरी सेवाओं में सुधार से भी बढ़ाएंगे आमदनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकायों की आय बढ़ाने के लिए नये फॉर्मूले पर काम किया जा रहा है। इसके लिए कई विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। फॉर्मूले के मुताबिक शहरी सेवाओं में सुधार के साथ पेयजल और सीवर कनेक्शन की संख्या बढ़ाकर भी आय बढ़ाने की कोशिश होगी। वहीं, उन भवनों पर भी कर लगाने की तैयारी है जिनपर अब तक गृहकर कर निर्धारण नहीं हो सका है।

ऐसे भवनों को चिह्नित करने के लिए जल्द सर्वे शुरू कराया जाएगा। सर्वे में उन क्षेत्रों के भवनों को भी शामिल किया जाएगा, जो हाल में ही नये नगर निकाय क्षेत्रों में आए हैं। इसी तरह ऐसे व्यावसायिक भवनों को भी गृहकर, जलकर व सीवर कर के दायरे में लाने और शहरी सेवाओं में सुधार कर आय बढ़ाने के कई विकल्प तैयार किए गए हैं। हालांकि इन विकल्पों पर मुख्यमंत्री की सहमति के बाद ही काम शुरू होगा। वहीं, अमृत योजना के तहत सीवर व पेयजल कनेक्शन लेने वाले भवनों पर भी गृह, जल व सीवर कर लगाने की तैयारी है। राज्य स्तरीय तकनीकी समिति (एसएलटीसी) की पिछले दिनों बैठक हुई थी। इसमें नगर निकायों की आय बढ़ाने के लिए तैयार कई विकल्पों के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। इनमें शहरी क्षेत्रों में बने भवनों का 'यूनिक आईडेंटिफिकेशन' कराना भी शामिल है।

उत्तर प्रदेश में अब राजीव गांधी के बहाने युवाओं को साधने की कवायद में कांग्रेस

» अपने पुराने वोट बैंक अनुसूचित जाति-जनजाति पर भी डालेगी डोरे

» धूमधाम से मनेगी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर 20 अगस्त को उत्तर प्रदेश के सभी जिलों, ब्लॉक व गांवों में लोगों के बीच उनके योगदान, उपलब्धियों और बलिदान को बताएगी। इसके जरिये पार्टी युवाओं को साधने की कोशिश करेगी। पार्टी अपने पुराने वोट बैंक रहे अनुसूचित जाति/जनजाति पर भी डोरे डालने का प्रयास करेगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने इसको लेकर बताया कि 20 अगस्त को पार्टी जिला, ब्लॉक व गांव स्तर पर झांकी, कवि सम्मेलन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजीव गांधी के योगदान को जन-जन तक पहुंचाएगी।

पार्टी कार्यकर्ता लोगों को बताएंगे कि ग्रामीण क्षेत्र के होनहार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए राजीव गांधी ने देश भर में 600 जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना की। लोकतंत्र में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रतिनिधित्व देने के लिए उनकी पहल पर मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई। संचार क्रांति के माध्यम से मोबाइल फोन और कंप्यूटर को घर-घर पहुंचाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। पंचायती राज अधिनियम को लागू करा कर उन्होंने पंचायतों को अधिकार संपन्न बनाया। राजनीतिक भ्रष्टाचार को रोकने और सरकार बनाने के लिए सांसदों, विधायकों की खरीद-फरोख्त की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए दलबदल कानून भी उन्हीं की पहल पर अस्तित्व में आया। समाज के कमजोर तबके को कानूनी सुरक्षा देने के लिए उनकी पहल पर ही अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम लागू किया गया। देश के विभिन्न प्रांतों में शांति और सद्भाव स्थापित करने के लिए उन्होंने असम, पंजाब और मिजोरम समझौते कराए।

कोशिश जारी रखे हुए हैं कांग्रेसी

यूपी में प्रमुख विपक्षी दल बसपा लगभग सिमटती दिख रही है तो समाजवादी पार्टी में अंतर्कलह बढ़ता जा रहा है। उसके पारंपरिक मुसलमान वोटर भी मुसलमानों के मुद्दे पर उसके रूख से नाराज हैं और पार्टी के शीर्ष नेताओं के भी परस्पर सामंजस्य में कमजोरी दिख रही है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यदि कांग्रेस लोगों का विश्वास जीत पाती है और दलित, पिछड़े और मुसलमान मतदाताओं का एक वर्ग उसकी तरफ वापस लौटता है तो यूपी में कांग्रेस की किस्मत दुबारा खुल सकती है। कांग्रेस नेता इसी उम्मीद में अपनी कोशिश जारी रखे हुए हैं।

खराब दौर में भी जड़ों को सहेजने की कोशिश कर रहे पार्टी नेता

कांग्रेस इस समय अपने सबसे खराब राजनीतिक दौर से गुजर रही है। लोक सभा में उसके सदस्यों की संख्या सिमट रही है, तो पार्टी के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी की जांच चल रही है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश विधान सभा में उसके केवल दो विधायक रह गए हैं तो इतिहास में पहली बार यूपी विधान परिषद में उसका कोई सदस्य नहीं है। पिछले विधान सभा चुनाव में उसके प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू तक अपना चुनाव हार गए और पार्टी केवल 2.33 फीसदी मत प्राप्त कर सकी। हालांकि प्रियंका गांधी ने चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में पार्टी की जमीन तैयार करने की रणनीति बनाई थी। गांव-ब्लॉक और जिला स्तर तक के कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क कर वे उन्हें उत्साहित करने का काम करती रहीं।

सात राज्यों में चुनाव से पहले दलितों को लुभाने में जुटी भाजपा

डेढ़ साल के भीतर होने हैं चुनाव, खर्च होगा अनुसूचित जाति के कल्याण में धन

» मोदी सरकार ने जारी किया 950 करोड़ का फंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले राज्यों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भाजपा ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सात राज्यों में होने वाले चुनाव में वह दलित वोटरों को साधने में जुट गयी है। केंद्र सरकार ने रणनीति के तहत भारी भरकम फंड जारी किया है, जिसका प्रयोग इनकम जनरेशन स्कीमों में किया जाएगा।

बीते करीब डेढ़ सालों में देश के सात राज्यों में चुनाव होने वाले हैं और इससे पहले भाजपा ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा का फोकस दलित वोटर्स पर है, जिसकी राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात जैसे राज्यों में अच्छी खासी आबादी है। इसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने सामाजिक न्याय मंत्रालय को 950 करोड़ रुपये का फंड आवंटित किया है। यह फंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवेलपमेंट और इनकम जनरेशन स्कीमों के लिए दिया गया है। यह बड़ा फंड 8 मंत्रालयों के उस फंड से ट्रांसफर किया गया है जो उनसे खर्च नहीं हो सका था। माना जा रहा है कि इसके जरिए केंद्र सरकार अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों पर खास फोकस कर सकेगी।

खासतौर पर 7 राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों से पहले यह फैसला अहम माना जा रहा है। डेवेलपमेंट एक्शन प्लान और फॉर शेड्यूल्ड कास्ट्स के तहत 41 मंत्रालयों को अपने कुल बजट के 2 से 20 फीसदी तक के हिस्से को अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए खर्च करना होता है लेकिन ज्यादातर मंत्रालय ऐसा नहीं कर पाए और कई मंत्रालयों ने अन्य स्कीमों पर ही फंड को खर्च कर दिया। ऐसे में सरकार ने अब 8 मंत्रालयों के बचे हुए 950 करोड़ रुपयों को सामाजिक न्याय मंत्रालय को दिया है ताकि अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़ी स्कीमों पर खर्च किया जा सके। सरकार की ओर से जिन मंत्रालयों के फंड को ट्रांसफर किया गया है, उनमें पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, वाणिज्य, सड़क एवं परिवहन, खनन, कोयला, खाद्य एवं रसद आपूर्ति, फूड प्रॉसेसिंग और टेलीकॉम मिनिस्ट्री शामिल हैं। ऐसे में वित्त मंत्रालय ने बचे हुए 950 करोड़ रुपये के फंड को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय को ट्रांसफर करने का फैसला लिया है। यह पहला मौका है, जब वित्त मंत्रालय ने किसी मिनिस्ट्री की बची हुई रकम को सोशल एंड जस्टिस मिनिस्ट्री को ट्रांसफर कर दिया है। 27 जुलाई को ही व्यय विभाग की ओर से इस फैसले को मंजूरी दी गई है।

तय की गई है स्कीम

सूत्रों का कहना है कि इस रकम को खर्च करने के लिए 4 योजनाओं को तय भी कर लिया गया है। इनमें डॉ. अंबेडकर उत्सव धाम योजना है। इसके तहत गांवों में कम्युनिटी हॉल बनाए जाने हैं। एक योजना पीएम अमृत जलधारा है। इसके तहत दलित समुदाय के लोगों की जमीनों पर सिंचाई से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा दो अन्य स्कीम हैं, जिनमें इस रकम को खर्च किया जाना है।

गैर भाजपा सरकार वाले राज्यों पर अधिक फोकस

भाजपा उन राज्यों पर अधिक फोकस कर रही है जहां गैर भाजपा सरकार हैं। कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वह अन्य दलों से जुड़े दलितों को अपने पाले में लाने की तैयारी कर रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

खतरे में जीवनदायिनी नदियों का अस्तित्व

देश की सैकड़ों नदियों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। अकेले उत्तराखंड की 353 गैर हिमालयी और बरसाती नदियों की हालत खराब है। मानसून काल में भी इन नदियों पर पर्याप्त पानी नहीं है। ताजा शोध के मुताबिक इन नदियों के उद्गम स्रोत में साल-दर-साल पानी की मात्रा कम हो रही है और यदि हालात नहीं सुधरे तो आने वाले कुछ सालों में इनमें से कई नदियों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

देश की सैकड़ों नदियों के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। अकेले उत्तराखंड की 353 गैर हिमालयी और बरसाती नदियों की हालत खराब है। मानसून काल में भी इन नदियों में पर्याप्त पानी नहीं है। ताजा शोध के मुताबिक इन नदियों के उद्गम स्रोत में साल-दर-साल पानी की मात्रा कम हो रही है और यदि हालात नहीं सुधरे तो आने वाले कुछ सालों में इनमें से कई नदियों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। सवाल यह है कि नदियों का अस्तित्व खतरे में क्यों पड़ गया है? क्या ग्लोबल वार्मिंग इसकी बड़ी वजह है? नदियों के विलुप्त होने का मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या केंद्र और राज्य सरकारें इसे लेकर गंभीर नहीं हैं? क्या जीवनदायिनी नदियों को बचाने के लिए सरकार ने कोई रणनीति बनायी है? क्या इसका अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर नहीं पड़ेगा? क्या प्रकृति केंद्रित विकास नहीं होने के कारण हालात बिगड़ रहे हैं?

केवल उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश में नदियों का अस्तित्व संकट में हैं। ये नदियां एक ओर ग्लोबल वार्मिंग तो दूसरी ओर प्रदूषण से जूझ रही हैं। कई नाले में तब्दील हो चुकी हैं। तमाम दावों के बावजूद स्वच्छ गंगा मिशन गंगा को स्वच्छ नहीं कर पाया है। गोमती का भी हाल बेहाल है। बरसाती और छोटी नदियों की हालत का बस अंदाजा लगाया जा सकता है। इन नदियों में बारिश के समय भी पर्याप्त जल प्रवाह नहीं है। वहीं नदियों के उद्गम स्रोतों से पेयजल योजनाओं के लिए भारी मात्रा में पानी के इस्तेमाल से संकट और बढ़ गया है। रही सही कसर अवैज्ञानिक तरीके से नदियों में हो रहे खनन ने पूरी कर दी है। बेतरतीब विकास ने छोटी नदियों के अस्तित्व पर संकट खड़ा कर दिया है। कई स्थानों पर इन नदियों के प्रवाह स्थानों पर कब्जा कर लिया गया है। इससे नदियों के जल भरण क्षमता पर विपरीत असर पड़ा है। भूगोलविद जेएस रावत की शोध रिपोर्ट के मुताबिक 1992 में गर्मियों के दिनों में कोसी का प्रवाह 790 लीटर प्रति सेकेंड था जो गिरकर 48 लीटर प्रति सेकेंड पहुंच गया है। यही हाल अधिकांश नदियों का है। गढ़वाल मंडल की नयार, मंडल, सोना, रिस्पना, सौंग, बिंदाल, आसन और कुमाऊं मंडल की कोसी, कुंजगढ़, शिप्रा, गगास, लोहावती, पनार, गरुड़ गंगा, गोमती, गौला, नंधौर का अस्तित्व संकट में है। जाहिर है यदि छोटी नदियों का संरक्षण नहीं किया गया तो ये विलुप्त हो जाएंगी और इसका सीधा असर पेयजल समेत आसपास के इलाकों में सिंचाई की सुविधा पर पड़ेगा। नदियों के किनारे बसने वालों की स्थिति खराब हो जाएगी। लिहाजा सरकार को इन नदियों के संरक्षण के लिए ठोस कार्ययोजना बनानी होगी। साथ ही इसकी सतत निगरानी भी करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्यान्न उत्पादन की चुनौतियां

हरवीर सिंह

केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 2021-22 के लिए कृषि उत्पादन का अग्रिम अनुमान जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि इस अवधि में कुल उत्पादन 315.72 मिलियन टन हो सकता है। यह 2020-21 की तुलना में 4.98 मिलियन टन अधिक है। यदि पांच वर्षों के औसत उत्पादन के हिसाब से देखा जाए तो यह अनुमान 25 मिलियन टन अधिक है। यह चौथा अग्रिम आकलन है जिसके बाद वास्तविक आंकड़े जारी होंगे। इसमें बदलाव की गुंजाइश रहती है। इस आकलन में पिछले अनुमान की तुलना में गेहूं के उत्पादन में मामूली बढ़त दिखायी गयी है.

पहले अनुमान लगाया गया था कि 106.4 मिलियन टन गेहूं का उत्पादन होगा जबकि इस चौथे अनुमान में यह आंकड़ा 106.8 मिलियन टन का है, लेकिन स्वतंत्र अनुमान इससे कम हैं, क्योंकि अगर उत्पादन ठीक होता तो बाजार में गेहूं की उपलब्धता होती। सरकार द्वारा होने वाली गेहूं की खरीद चौदह वर्षों में सबसे कम रही है। मई में सरकार को गेहूं निर्यात रोकने का निर्णय भी लेना पड़ा। केंद्र के पास जो गेहूं भंडार है, वह भी कई वर्षों में सबसे कम स्तर पर है। ऐसे में इन आंकड़ों को खासकर गेहूं के मामले में ठीक से देखा जाना चाहिए। अगर आप बाजार को देखें तो गेहूं की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है। कमजोर मानसून के कारण कृषि उत्पादन को लेकर नयी चिंताएं भी पैदा हुई हैं। देश में इस साल खरीफ की बुआई कम हुई है, सो चावल का उत्पादन गिरना तय है। हालिया आंकड़ों के अनुसार धान का क्षेत्रफल पिछले वर्ष की तुलना में 43.83 लाख हेक्टेयर कम चल रहा है। पिछले साल 12 अगस्त तक धान की खेती का कुल क्षेत्रफल 353.62 लाख हेक्टेयर रहा था। यदि आगामी दिनों में उत्पादन क्षेत्रफल में बढ़ोतरी नहीं होती है तो देश में 2.71 टन प्रति हेक्टेयर की चावल उत्पादकता के आधार पर चालू खरीफ सीजन में चावल का उत्पादन करीब 110 लाख टन कम रह सकता है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पूल में एक अगस्त को चावल और गेहूं का कुल भंडार चार साल के सबसे कम स्तर 676.33 लाख टन पर है। इसमें 266.45 लाख टन गेहूं और 409.88 लाख टन चावल शामिल है जबकि एक अगस्त, 2021 को केंद्रीय पूल में गेहूं का स्टॉक 564.80 लाख टन और चावल का स्टॉक 444.59 लाख टन था। पिछले साल की तुलना में जिन राज्यों में धान की रोपाई कम हुई है, उनमें झारखंड में 11.37 लाख हेक्टेयर, पश्चिम बंगाल में 11.23 लाख,

ओडिशा में 4.31 लाख, मध्य प्रदेश में 4.46 लाख, बिहार में चार लाख , उत्तर प्रदेश में 3.37 लाख, छत्तीसगढ़ में 1.43 लाख, तेलंगाना में 3.39 लाख , आंध्र प्रदेश में 2.85 लाख हेक्टेयर कम है। ये सब चावल उत्पादक राज्य हैं। इनके अलावा आठ अन्य राज्यों में भी धान का क्षेत्रफल पिछले साल से कुछ कम है। कृषि उत्पादों में वृद्धि के परिणामस्वरूप इनके निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन इस वर्ष उत्पादन घटने से निर्यात का प्रभावित होना स्वाभाविक है। पिछले साल 70 लाख टन गेहूं का निर्यात हुआ था लेकिन कुछ महीने पहले गेहूं के निर्यात पर रोक लगानी पड़ी। दुनिया के चावल बाजार में पिछले साल भारत की हिस्सेदारी 40 फीसदी के आसपास रही थी पर इस बार उसमें भी कमी आने की आशंका बढ़ गयी है। जब सरकार इस साल के उत्पादन का अनुमान लगायेगी तब इस बात की संभावना भी है कि चावल निर्यात पर भी प्रतिबंध लगा दिया जायेगा। कृषि निर्यात में चीनी का भी बड़ा योगदान रहा है। 2021-22 के जो अनुमान प्रकाशित हुए हैं, उनमें बताया गया है कि गन्ना उत्पादन 43.1 करोड़ टन रहा है। कृषि उत्पादन से संबंधित एक चिंता खाद्य मुद्रास्फीति की भी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद्य तेलों के दामों में गिरावट आयी है, जिसका फायदा हमें मिला है। दालों की कीमतों में कुछ कमी आयी थी लेकिन फिर दालों के दाम बढ़ने लगे हैं। आलू-प्याज के भाव गिरने से भी महंगाई के मोर्चे पर कुछ राहत मिली है लेकिन अगर खरीफ उत्पादन में कमी आती है, तो मुद्रास्फीति का दबाव फिर से बढ़ने की आशंका को दरकिनार नहीं किया जा सकता है। मानसून की कमी और जलवायु परिवर्तन जैसे कारकों से सबसे अधिक नुकसान किसान को ही होता है। इसका सही आकलन तभी हो सकेगा, जब खरीफ की फसल बाजार में आयेगी। पहले ऐसा होता था कि कमजोर मानसून की आशंका को देखते हुए सरकारें किसानों को सलाह देती थीं कि वे कब रोपाई करें या क्या वैकल्पिक फसल लगाएं पर इस बार यह नहीं हो रहा है। जिन इलाकों में किसानों की फसल बर्बाद हुई है, वहां मुआवजा देने के बारे में सोचा जाना चाहिए। पिछले वर्षों में बारिश कम होने की स्थिति में किसानों को डीजल पर अनुदान दिया गया और बिजली आपूर्ति बढ़ायी गयी थी।

मेडिकल कॉलेजों में बड़े सुधार जरूरी

रोहन कृष्ण

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेजों से पोस्ट-ग्रेजुएट (पीजी) छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और बेहतरी पर ध्यान देने को कहा है। आत्महत्या, लैंगिक भेदभाव और महिलाओं के साथ अभद्रता जैसे मामलों में हुई कार्रवाइयों का विवरण देने को भी कहा गया है। निश्चित रूप से यह एक सराहनीय पहल है। आयोग के पास लगातार ऐसी शिकायतें जाती रही हैं कि पीजी के छात्रों, जिन्हें जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर कहा जाता है, को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इनमें से एक यह है कि इन डॉक्टरों का कामकाजी समय निश्चित नहीं है। काम का दबाव भी इन्हीं पर अधिक होता है, सीनियर डॉक्टर भी इन्हें तरह-तरह से परेशान करते हैं और लगातार प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती जा रही है।

मेडिकल परीक्षाओं का स्तर बढ़ता जा रहा है, पर सीटें उस हिसाब से नहीं बढ़ रही हैं। डॉक्टरों के लिए नौकरियों के अवसर भी कम हुए हैं। ऐसे में वे मानसिक तनाव से गुजर रहे होते हैं। पिछले पांच साल में तीन सौ ऐसे इंटर्न डॉक्टरों ने आत्महत्या की है, जिनकी आयु तीस साल से कम थी। मेडिकल कॉलेजों में पीजी छात्रों के लिए जो हॉस्टल और ड्यूटी रूम हैं, उनकी हालत बेहद खस्ता है तथा वे स्वास्थ्य के लिहाज से ठीक नहीं हैं। आप किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज के ड्यूटी रूम में जाकर खुद देख सकते हैं कि वहां कितनी बदहाली है। महिलाओं के लिए अलग से शौचालयों की व्यवस्था तक कई जगह नहीं है। इनके अलावा जूनियर डॉक्टरों को सीनियर डॉक्टरों की आपसी रंजिश का भी खामियाजा भुगतना पड़ता है। उनके आपसी मतभेद की स्थिति में छात्रों को यह समझ में नहीं आता कि वे किसकी बात सुनें- अपने विभाग के प्रमुख की या अपनी इकाई के प्रभारी की या फिर अपने सुपरवाइजर की। कोरोना काल में भी यह देखा गया कि सीनियर डॉक्टरों ने वार्ड ड्यूटी और अन्य जोखिम भरे कामों से अपने को अलग रखा तथा अगले मोर्चे पर युवा डॉक्टरों को ही जूझना पड़ा। इसके अलावा उन्हें समुचित सुरक्षा और सम्मान भी नहीं मिलता है। कोई भी सीनियर डॉक्टर नाइट ड्यूटी नहीं करना चाहता है। यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए कि नीट परीक्षा को लेकर हर साल विरोध हो रहा है। परीक्षा के पहले तक यह पता नहीं होता है कि परीक्षा व्यवस्था कैसी होगी। साल 2021 की काउंसिलिंग अभेद एक माह पहले खत्म हुई है और 2022 की काउंसिलिंग इस साल जनवरी में शुरू हो जानी चाहिए थी, पर अभी तक पीजी की काउंसिलिंग शुरू नहीं हुई। सरकार की मंशा है कि अगले साल की परीक्षा में बदलाव करे। छात्र मांग कर रहे हैं कि उसके पाठ्यक्रम के बारे में पहले जानकारी दे दी जाए ताकि तैयारी में सहूलियत हो। ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पीजी छात्र अवसाद, मानसिक तनाव और चिंता जैसी मुश्किलों से घिरे हैं, जो उन्हें आत्महत्या की ओर जाने के लिए मजबूर करते हैं। एनएमसी ने जो कहा है, वह एक एडवाइजरी है। यह स्वागतयोग्य है पर इससे समस्याओं का समाधान नहीं होगा। इस पर कड़ाई से अमल करना होगा। सबसे पहले तो पीजी छात्रों के लिए मेडिकल हेल्पलाइन की व्यवस्था की जानी चाहिए। यह काम नेशनल मेडिकल कमीशन को करना चाहिए। सरकार और मेडिकल कॉलेजों की ओर से इस संबंध में पहल करनी चाहिए। कुछ एनजीओ इस क्षेत्र में कार्यरत हैं, पर वह पर्याप्त नहीं है। कोराना काल में हमारे संगठन के ओर से भी इस तरह का प्रयास किया गया था। जो लोग छात्रों की परेशानी के लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस संबंध में नियमन की कमी है, जिसे दूर किया जाना चाहिए। दिल्ली में तो रेजिडेंट डॉक्टरों का संगठन मजबूत है पर अन्य जगहों पर ऐसा नहीं है। कई मेडिकल कॉलेजों में तो संगठन ही नहीं हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही दिशानिर्देश दिया है कि एक सप्ताह में 84 घंटों से अधिक काम नहीं कराया जा सकता है लेकिन ज्यादातर मेडिकल कॉलेजों में जूनियर डॉक्टर लगातार 36-36 घंटे काम करते हैं। यह गलत है। लगातार 24 घंटे से अधिक काम नहीं कराया जा सकता है। चूंकि छात्र अपने करियर पर पड़नेवाले असर को लेकर आशंकित होते हैं इसलिए वे किसी तरह की शिकायत करने से परहेज करते हैं। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि शिकायत करने के बारे में कोई आधिकारिक व्यवस्था नहीं है। एनएमसी को एक ऑनलाइन शिकायत करने की प्रणाली बनानी चाहिए, जहां छात्रों की पहचान गोपनीय रहे। इससे शिकायत करने का हौसला मिलेगा और आयोग के पास भी जानकारी पहुंच सकेगी। एनएमसी के साथ साथ राज्य-स्तरीय मेडिकल काउंसिल भी ऐसे उपाय कर सकती हैं। जांच समितियां हों और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भी हो।

जब तक जवाबदेही नहीं तय के जायेगी, छात्रों का शोषण होता रहेगा और वे मानसिक तनाव में जीने के लिए अभिशप्त रहेंगे इसीलिए आयोग के इस एडवाइजरी से ही स्थिति सुधर जायेगी, ऐसी अपेक्षा रखना ठीक नहीं है। नीट पीजी में ढाई-तीन लाख छात्र शामिल होते हैं, जो डॉक्टर होते हैं। पांच वर्षों का हिसाब देखें, तो कभी काउंसिलिंग में देरी, कभी परीक्षा केंद्र पर गड़बड़ी तो कभी कोई और समस्या आती है। कई बार सीटें रिक्त रह जाती हैं और उधर वेटिंग लिस्ट भी रहती है। इसे बेहतर नहीं किया जायेगा, तो फिर डॉक्टरों के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बरकरार रखा जायेगा?

ढेरों पोषक तत्वों से भरपूर है दही

स्किन ही नहीं पेट और बीपी में भी है लाभदायक

दही को खाने और लगाने से स्किन को कई तरह से फायदा पहुंचता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके न सिर्फ ब्यूटी से जुड़े बल्कि शरीर की सेहत से जुड़े भी कई फायदे हैं। शरीर को ठंडक देने के साथ ही यह बॉडी को कई तरह से फायदा पहुंचाता है।

पेट के लिए है बेस्ट

दही में मौजूद प्रोबायोटिक पाचन के लिए बेहतरीन होता है। प्रोबायोटिक ऐसा बैक्टीरिया होता है जो खाने को तोड़ने के साथ ही उसे अच्छे से पचने में मदद करता है। पेट में होने वाली जलन को भी दही के सेवन से दूर किया जा सकता है।

दही को अपने आहार में जरूर शामिल करें। गर्मी में यह आपके शरीर को तो ठंडक देगा। साथ ही यह शरीर को दूसरी तरह से भी कई प्रकार का लाभ देगा।

इम्यूनिटी

शरीर को किसी भी बीमारी से बचाने के लिए बॉडी इम्यूनिटी का सबसे अहम रोल होता है। दही इसको बेहतर बनाने में बहुत मदद करता है। दही बीमारी को जन्म देने वाले बैक्टीरिया से लड़ता है और पेट को इन्फेक्शन से बचाता है। इसके साथ ही यह ओवरऑल इम्यूनिटी को भी सुधारता है।

अन्य फायदे

- दही को मुंह के छालों पर दिन में 2-3 बार लगाने से छाले दूर हो जाते हैं। दही और शहद को समान मात्रा में मिलाकर सुबह-शाम सेवन करने से भी मुंह के छाले दूर हो जाते हैं।
- नहाने से पहले बालों में दही से अच्छी तरह से मालिश करनी चाहिए। कुछ समय बाद बालों को धो लेने से बालों की खुश्की या रूसी खत्म हो जाती है।
- गर्मियों में अक्सर शरीर पर तेज धूप पड़ने से त्वचा टैन हो जाती है। ऐसे में टैनिंग कम करने के लिए दही एक बेहतर विकल्प है। इतना ही नहीं, दही में बेसन मिलाकर लगाने से भी चेहरे पर चमक आती है।
- दही में कैल्शियम ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। यह हड्डियों के विकास में सहायक है। साथ ही दही, दांत और नाखून को भी मजबूत बनाता है। इससे मांसपेशियों के सही ढंग से काम करने में मदद मिलती है।

हाई बीपी में मदद

एक रिसर्च में यह सामने आया है कि वे लोग जो रोज दही का सेवन करते हैं उन्हें हाई बीपी की समस्या उन लोगों के मुकाबले 31 प्रतिशत कम होती है जो दही नहीं खाते हैं। दही में मौजूद पोटैशियम और मैग्नेशियम बीपी को कम करने और हार्ट को हेल्दी रखने में मदद मिलती है।

ठंडाई

इस देसी ड्रिंक का एक गिलास दूर कर देगा एसिडिटी की परेशानी

एसिडिटी की समस्या हो तो बैठना भी मुश्किल हो जाता है। इससे होने वाली परेशानी के कारण कई बार अस्पताल तक जाना पड़ता है लेकिन इस स्थिति से बचा जा सकता है।

बरसात में अक्सर लोगों को एसिडिटी की परेशानी होती है। इस वजह से कई बार वह खाने में कमी करते हैं जो ब्लोटिंग की समस्या को जन्म देती है। इन दोनों के चलते हालत खराब हो जाती है और जलन व दर्द के कारण काम करना भी मुश्किल हो जाता है। इस प्रॉब्लम से निपटने के लिए इस गर्मी आप एक खास ड्रिंक ट्राई कर सकते हैं।

ठंडक भी स्वादिष्ट भी

- खास बात यह है कि यह ड्रिंक आपको एसिडिटी और ब्लोटिंग से छुटकारा देने के साथ ही शरीर को ठंडक भी देगा और जीभ पर स्वादिष्ट स्वाद भी छोड़ेगा।
- सिलेब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट ऋजुता दिवेकर की इंस्टाग्राम पोस्ट के मुताबिक, गर्मियों में ठंडाई कई तरह से शरीर को फायदा पहुंचाती है। इसमें ठंडा दूध, बादाम, खस-खस, इलायची, केसर, नट्स और सौंफ होती है।
- इस कॉम्बिनेशन से शरीर को ठंडक मिलने के साथ ही एनर्जी भी मिलती है। पेट को भी यह फायदा पहुंचाता है। एसिडिटी के साथ ही यह गैस की समस्या में भी राहत देता है।
- इतना ही यह हॉर्मोन्स को भी बैलेंस करता है। इसकी एंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज स्किन के साथ ही शरीर के लिए भी अच्छी होती है। पाचन को सुधारने के साथ ही यह गट-फ्रेंडली बैक्टीरिया को भी रिस्टोर करता है, जिससे पेट की सेहत बनी रहती है।

हंसना मना है

जैक : मम्मी, क्या मैं दोस्त के घर जाकर खेल लूं? मम्मी : जाओ, लेकिन सड़क तभी पार करना जब कार गुजर जाएं समझे, जैक बाहर जाकर डेढ़ घंटे बाद वापस आ गया। मम्मी : तुम अभी यहीं घूम रहे हो? जैक : मैं सड़क तक गया था मम्मी, लेकिन अब तक एक भी कार वहां से नहीं गुजरी।

दो चूहों ने एक बार एक हाथी को पकड़ लिया, एक चूहा अपने दोस्तों को बुलाने चला गया, जब तक वह लौटा वह हाथी नहीं था उसने पूछा कहां हैं हाथी? चूहा बोला : पता नहीं कहां चला गया, अभी तो यहीं था। पहले चूहे को गुस्सा आ गया और बोला, झूठे मुझे सब पता हैं, तुम अब तक मुंह चला रहे हो।

एक आदमी कर्जदार से : तुम मेरे पैसे कब तक लौटा दोगे। कर्जदार : मुझसे क्या पूछते हो, मैं क्या ज्योतिषी हूं।

अध्यापक रामू से : भाईचारा शब्द को वाक्य में प्रयोग करो। रामू : जब मैंने दूधवाले से पूछा की दूध इतना महंगा क्यों बेचते हो तो वह बोला भाई चारा जो महंगा हो गया है।

कर्मचारी (मिल मालिक से) : सरकार, अब मेरी तनख्वाह बढ़ा दी जानी चाहिए, क्योंकि हाल ही में मेरी शादी हो गई हैं। मिल मालिक : देखो, मिल के बाहर होने वाली दुर्घटनाओं के जिम्मेदार हम नहीं हैं।

दो आदमी आपस में बातें कर रहे थे... पहला- ये 14 तारीख को क्या है? दूसरा- ये बता तू शादीशुदा है या तेरी गर्लफ्रेंड हैं? पहला- मैं शादीशुदा हूं... दूसरा- तो फिर तेरे लिए महावीर जयंती है...

कहानी | गलत मार्ग का अंजाम

किसी ग्राम में किसान दंपति रहा करते थे। किसान तो वृद्ध था पर उसकी पत्नी युवती थी। चंचल होने के कारण किसान की पत्नी सदा पर-पुरुष की टोह में रहती थी, इस कारण एक क्षण भी घर में नहीं ठहरती थी। एक दिन किसी ठग ने उसको घर से निकलते हुए देख लिया। उसने उसका पीछा किया और जब देखा कि वह एकांत में पहुंच गई तो उसके सम्मुख जाकर उसने कहा, देखो, मेरी पत्नी का देहान्त हो चुका है। मैं तुम पर अनुरक्त हूं। मेरे साथ चलो। वह बोली, यदि ऐसी ही बात है तो मेरे पति के पास बहुत-सा धन है। मैं उसको लेकर आती हूं, जिससे कि हमारा भविष्य सुखमय बीते। उस व्यक्ति ने कहा, ठीक है जाओ। कल प्रात:काल इसी समय इसी स्थान पर मिल जाना। इस प्रकार उस दिन वह किसान की स्त्री अपने घर लौट गई। रात होने पर जब उसका पति सो गया, तो उसने अपने पति का धन समेटा और उसे लेकर प्रात:काल उस स्थान पर जा पहुंची। दोनों वहां से चल दिए। दोनों अपने ग्राम से बहुत दूर निकल आए थे कि तभी मार्ग में एक गहरी नदी आ गई। उस समय उस ठग के मन में विचार आया कि इस औरत को अपने साथ ले जाकर मैं क्या करूंगा। और फिर इसको खोजता हुआ कोई इसके पीछे आ गया तो वैसे भी संकट ही है। अत: किसी प्रकार इससे सारा धन हथियाकर अपना पीछा छुड़ाना चाहिए। यह विचार कर उसने कहा, नदी बड़ी गहरी है। पहले मैं गठरी को उस पार रख आता हूं, फिर तुमको अपनी पीठ पर लादकर उस पार ले चलूंगा। दोनों को एक साथ ले चलना कठिन है। ठीक है, ऐसा ही करो। किसान की स्त्री ने अपनी गठरी उसे पकड़ाई तो ठग बोला, अपने पहने हुए गहने-कपड़े भी दे दो, जिससे नदी में चलने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। और कपड़े भीगेंगे भी नहीं। उसने वैसा ही किया। उन्हें लेकर ठग नदी के उस पार गया तो फिर लौटकर आया ही नहीं। वह औरत अपने कुकृत्यों के कारण कहीं की नहीं रही। इसलिए कहते हैं कि अपने हित के लिए गलत कर्मों का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यस्थल पर अचानक विकास होगा और ये बदलाव आपके पक्ष में होंगे। आपका संचार कौशल मजबूत होगा और आप आसानी से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे।

वृषभ

आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आज आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा।

मिथुन

आज आपको घर-परिवार और संतानों के मामले में आनंद और संतोष की भावना का अनुभव होगा। धन के निवेश के लिए समय अनुकूल है।

कर्क

आज व्यय की अधिकता रहेगी परन्तु आमदनी सीमित रहेगी। मानसिक तनाव को हावी ना होने दें। विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की अपनी अद्भुत क्षमता का प्रयोग करें।

सिंह

आज आपको अपना मन शांत रखना चाहिए। शांत मन से आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जु? ब? फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए।

कन्या

पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे।

तुला

आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढ़ेगी। व्यापार का विस्तार भी हो सकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी। आपकी मेहनत का ?ल मिलेगा।

वृश्चिक

आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं ब? सकती हैं।

धनु

आपका जीवनसाथी किसी खूबसूरत सरप्राईज से आपका दिन बना सकता है। किसी प्रकार की विपरीत घटना घटित हो सकती है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा।

मकर

व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है। इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है।

कुम्भ

आज बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे,जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आज आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

मीन

किसी खास काम में आपका समय और पैसा ज्यादा लग सकता है। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख टिप्पणी करने से बचिए। किसी भी परिस्थिति में साहस व उम्मीद को न छोड़ें।

बेबी के आने के बाद फिल्मों में कमबैक करेंगी बिपाशा

बॉलीवुड | मसाला

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने 16 अगस्त को अपने पहले बच्चे के आने की अनाउंसमेंट की। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद से ही सोशल मीडिया यह कपल ट्रेंड कर रहा है। शादी के बाद से ही बिपाशा ने फिल्मों से दूरी बनाकर रखी है, ऐसे में इंडस्ट्री में उनके कमबैक की खबरें उठती रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने बताया कि बेबी प्लानिंग के कारण उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से ब्रेक लेकर रखा था। हालांकि बेबी के आने के बाद वो फिल्मों में कमबैक करेंगी। बिपाशा ने बताया कोविड के कारण साल 2020 में उन्होंने बेबी करने का प्लान ड्रॉप कर दिया, क्योंकि वह वक्त काफी स्ट्रेसफुल था। जब चीजें नॉर्मल हुई तब साल 2021 में बेबी की प्लानिंग की। आखिरकार साल 2022 में बिपाशा बेबी कंसीव करने में सफल रहीं। बिपाशा ने बताया कि वह पल उनके लिए बेहद यादगार था, जब एक्ट्रेस को अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बता चला। एक्ट्रेस ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वो और करण सबसे पहले बिपाशा की मां के पास गए और उन्हें ही सबसे पहले यह गुड न्यूज शेयर की। एक्ट्रेस

ने बताया कि यह उनकी मां का सपना था, जो पूरा हुआ है। करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा 2015 में फिल्म अलोन की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के करीब आए। 1 साल तक डेट करने के बाद कपल ने शादी करने का फैसला लिया। शादी के बाद से बिपाशा ने अभी तक कोई भी नई फिल्म नहीं की है।

युजवेंद्र की पत्नी धनश्री ने चहल सरनेम हटाया

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी कोरियोग्राफर पत्नी धनश्री चर्चा में बने हैं। दरअसल अपने सोशल मीडिया हैंडल से धनश्री ने चहल सरनेम नाम हटा लिया है। इसे देख कयास लगाए जा रहे हैं कि कपल के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। शादी के बाद धनश्री वर्मा ने अपने नाम में युजवेंद्र का सरनेम जो?ा था। हालांकि धनश्री ने अपने अकाउंट से अभी तक युजवेंद्र के साथ शेयर की फोटोज नहीं हटाई हैं। इसके बाद युजवेंद्र ने पोस्ट शेयर कर इस पूरी घटना को अफवाह बताया है। उन्होंने लिखा

मेरी आप सभी से रिक्वेस्ट है कि आप लोग हमारे रिलेशनशिप को लेकर चल रही किसी भी प्रकार की झूठी खबरों पर ध्यान ना दें। इसे यहीं रोक दें। आप सभी को प्यार। धनश्री के नाम हटाते ही युजवेंद्र ने भी एक नोट शेयर किया है। इसमें लिखा है- न्यू लाइफ लोडिंग। हमेशा सोशल मीडिया पर प्यार भरे मोमेंट्स शेयर करने वाले इस कपल के ऐसे रिएक्शन देखकर फैंस भी हैरान हैं। युजवेंद्र और धनश्री वर्मा ऑनलाइन क्लास के दौरान एक-दूसरे से पहली बार मिले थे। चहल ने डांस सीखने के लिए धनश्री की क्लास में एडमिशन लिया और यहीं से दोनों की लव स्टोरी शुरू हुई। महज तीन महीने तक रिलेशनशिप में रहने के बाद इस कपल ने शादी करने का फैसला कर लिया। 9 अगस्त 2020 को युजवेंद्र ने रोके की खबर सुनाते हुए अपने फैंस को सरप्राइज कर दिया था। धनश्री के साथ फोटो शेयर कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था।

बॉलीवुड | मन की बात

अर्जुन कपूर ने खुद को बताया अंडररेटेड एक्टर

अर्जुन कपूर ने हाल ही में खुद को अंडररेटेड एक्टर बताया है। एक इंटरव्यू में अर्जुन ने कहा कि लोग उन्हें एक्टिंग में कम आंकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि वो बस मेनस्ट्रीम फिल्मों में ही एक्टिंग कर सकते हैं। अर्जुन ने कहा कि वो ऑफ कैमरा भी एक फिल्मी एटीट्यूड रखते हैं, लेकिन वो सिनेमा का बहुत सम्मान करते हैं। अर्जुन ने कहा मुझे लगता है कि मैं एक अंडररेटेड एक्टर हूं। जब बात परफॉर्मेंस की आती है तो लोग मुझे कम आंकते हैं। लोगों को लगता है कि मेनस्ट्रीम एक्टर हूं। लेकिन मुझे लगता है कि यह इस बिजनेस का कल्चर और नेचर है। क्योंकि आप जिस तरह की फैमिली से आते हैं। आपका ऑफ कैमरा व्यवहार फिल्मी होता है और मैं इस तरह का ही हूं। इसलिए हो सकता है कि आपके लिए सिनेमा की प्योरिटी के लिए सम्मान की इम्पोर्टेंस अलग और ज्यादा हो। अर्जुन ने आगे कहा कि लोग क्राफ्ट के बारे में चर्चा करते हैं, लेकिन उन्हें इसके बारे में बहुत कम जानकारी होती है। उन्होंने कहा कि जब मीडिया और सोशल मीडिया पर किसी एक्टर के बारे में बात आती है, तो मैंने किसी एक व्यक्ति को क्राफ्ट के बारे में एक्चुअल बातचीत करते हुए नहीं सुना है। मुझे लगता है कि जो लोग क्राफ्ट डिसकस कर रहे हैं, उन्हें खुद इसके बारे में नहीं पता है। जो क्राफ्ट उन लोगों को पता है वो क्लिकबेट है और यह एक आसान क्राफ्ट है। मेरा मतलब हर चीज के बारे में नेगेटिव बातें करना? पता है क्या मुश्किल है? लॉजिकल सेंस के साथ दो लाइन्स लिखना। क्रिटिक्स और कॉमर्सियलिज्म को थो?ा ज्यादा अलाइन होने की जरूरत है। अर्जुन कपूर हाल ही में मोहित सूरी की फिल्म एक विलेन रिटर्न्स में नजर आए थे। इस फिल्म में अर्जुन के अलावा तारा सुतारिया, जॉन अब्राहम और दिशा पाटनी भी लीड रोल में हैं। अर्जुन अपकमिंग फिल्म कुत्ते में कोंकणा सेन शर्मा, नसीरुद्दीन शाह, राधिका मदान और तब्बू के साथ नजर आएंगे।

14 साल में एक बार खिलता है ये फूल देखने वाला हो जाता है मालामाल!

आपके घर के आसपास तमाम पेड़ पौधे होंगे, जिन पर साल में एक या दो बार फूल-फल जरूर लगते होंगे। इन्हीं में से पीपल, बरगद और तुलसी के पौधों के बारे में कहा जाता है कि इनमें दैवीय शक्तियां होती हैं। इसीलिए लोग इनकी पूजा करते हैं। यही नहीं, ये पेड़ कई गुणों से भरपूर होते हैं। आज हम आपको एक ऐसे फूल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में कहा जाता है कि ये साक्षात दैवीय शक्ति से भरपूर है। इस फूल को ब्रह्म फूल के बारे में बताने जा रहे हैं। इसे ब्रह्माजी का फूल माना जाता है। ब्रह्म फूल आपको किसी साधारण से स्थान पर नही मिलेगा। ये फूल हिमालय की ऊंचाइयों पर मिलता है। इसका अपना एक पौराणिक महत्व है। इस फूल के बारे में माना जाता है कि जिस भी व्यक्ति को ये फूल मिलता है, उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। कमल की तरह दिखने वाला यह फूल सफेद रंग का होता है। यह देखने में काफी आकर्षक होता है। ब्रह्म फूल की कई पौराणिक कथाएं हैं। एक मान्यता अनुसार, जिस कमल पर सृष्टि के रचयिता स्वयं ब्रह्मा जी विराजमान हैं। वही, ब्रह्म कमल है इसी में से कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी की उत्पत्ति हुई थी। दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार जब पांडव जंगल में वनवास पर थे, तब द्रौपदी भी पांडवों के साथ गई थीं। द्रौपदी, कौरवों द्वारा हुए अपने अपमान को भूल नहीं पा रही थी। साथ ही वन की यातनाएं भी सह रहीं थी। जिसकी वजह से वे मानसिक कष्टों से परेशान थी। तभी अचानक उन्होंने पानी की लहर में बहते हुए सुनहरे कमल को देखा तो उनके सभी दर्द एक अलग ही खुशी में बदल गए। कमल को देखते हुए उनके मन में अलग सी आध्यात्मिक ऊर्जा का एहसास हुआ, जिसके बाद द्रौपदी ने अपने पति को उस सुनहरे फूल की खोज के लिए भेजा। इसी खोज के दौरान भीम की मुलाकात हनुमान जी से हुई थी। ब्रह्म फूल के बारे में एक मान्यता है कि जो भी व्यक्ति इस फूल को अपनी जिंदगी में एक बार देख लेता है., उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। इसे खिलते हुए देखना भी आसान नहीं है क्योंकि यह देर रात में खिलता है और केवल कुछ ही घंटों तक रहता है। ये फूल 14 साल में एक बार ही खिलता है, जिसकी वजह से इस फूल के दर्शन होना काफी मुश्किल है।

अजब-गजब | श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर होती है विशेष परेड

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस मुस्लिम बाहुल्य देश में होता है नेशनल हॉलीडे

आज देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बड़े धूमधाम से मनाई जा रही है। हिंदू धर्म में श्री कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना गया है। उनका जन्म भाद्रपद माह की अष्टमी तिथि को हुआ था। जन्माष्टमी के दिन पूजा के दौरान भगवान कृष्ण की पसंदीदा चीजें उन्हें पूजा में अर्पित की जाती हैं। जन्माष्टमी पूरे भारत में धूमधाम से मनाई जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि एक मुस्लिम बाहुल्य देश में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है। यहां तक की इस दिन इस देश में नेशनल हॉलीडे भी रहता है। हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर सार्वजनिक अवकाश होता है। अधिकांश बांग्लादेशी मुस्लिम होने के बावजूद, यह हिंदू अवकाश सार्वजनिक अवकाश रोस्टर पर है। जन्माष्टमी के दिन यहां कई लोग नाटकीय नृत्यों में भाग लेते हैं, जो कृष्ण के जीवन की घटनाओं पर आधारित होती हैं।

आपके घर के आसपास तमाम पेड़ पौधे होंगे, जिन पर साल में एक या दो बार फूल-फल जरूर लगते होंगे। इन्हीं में से पीपल, बरगद और तुलसी के पौधों के बारे में कहा जाता है कि इनमें दैवीय शक्तियां होती हैं। इसीलिए लोग इनकी पूजा करते हैं। यही नहीं ये पेड़ कई गुणों से भरपूर होते हैं। आज हम आपको एक ऐसे फूल के बारे में बताने जा रहे हैं

जिसके बारे में कहा जाता है कि ये साक्षात दैवीय शक्ति से भरपूर है। इस फूल को ब्रह्म फूल के बारे में बताने जा रहे हैं। इसे ब्रह्मा जी का फूल माना जाता है। ब्रह्म फूल आपको किसी साधारण से स्थान पर नही मिलेगा। ये फूल हिमालय की ऊंचाइयों पर मिलता है। इसका अपना एक पौराणिक महत्व है। इस फूल के बारे में माना जाता है कि जिस भी व्यक्ति को ये फूल मिलता है, उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। कमल की तरह दिखने वाला यह फूल सफेद रंग का होता है। यह देखने में काफी आकर्षक होता है।

ब्रह्म फूल की कई पौराणिक कथाएं हैं। एक मान्यता अनुसार, जिस कमल पर सृष्टि के रचयिता स्वयं ब्रह्मा जी विराजमान हैं। वही, ब्रह्म कमल है, इसी में से कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी की उत्पत्ति हुई थी। दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार जब पांडव जंगल में वनवास पर थे, तब द्रौपदी भी पांडवों के साथ गई थीं। द्रौपदी, कौरवों द्वारा हुए अपने अपमान को भूल नहीं पा रही थी। इसके साथ ही वन की यातनाएं भी सह रहीं थी, जिसकी वजह से वे मानसिक कष्टों से परेशान थी। तभी अचानक उन्होंने पानी की लहर में बहते हुए सुनहरे कमल को देखा तो उनके सभी दर्द एक अलग ही खुशी में बदल गए। कमल को देखते हुए उनके मन में अलग सी आध्यात्मिक ऊर्जा का एहसास हुआ, जिसके बाद द्रौपदी ने अपने पति को उस सुनहरे फूल की खोज के लिए भेजा। इसी खोज के दौरान भीम की मुलाकात हनुमान जी से हुई थी।

मोदी बनाम केजरीवाल होगा लोक सभा चुनाव : संजय सिंह

मनीष सिसोदिया पर सीबीआई की छापेमारी दे रही संदेश

केंद्र की कार्रवाई से नहीं रूकने वाला दिल्लीवासियों का कोई काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा है कि दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास पर सीबीआई के छापे से भाजपा ने पूरे देश को सियासी संदेश दिया है कि 2024 का लोक सभा चुनाव 'मोदी बनाम केजरीवाल' होगा।

उन्होंने कहा कि गुजरात जाकर जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली और पंजाब का मॉडल वहां लागू करने की बात करते हैं तो प्रधानमंत्री 'फ्री की रेवड़ी' कहकर हमलावर हो जाते हैं। इसके बाद जब केजरीवाल ने खुलासा किया कि 'फ्री की रेवड़ी' तो आपने अपने दोस्तों में बांट रखी है तो प्रधानमंत्री ने मनीष सिसोदिया पर सीबीआई की रेड करा दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने सीबीआई रेड की वही तारीख चुनी गई जिस दिन न्यूयॉर्क टाइम्स के पहले पेज पर मनीष सिसोदिया की फोटो के साथ दिल्ली के शिक्षा क्रांति की खबर छपी। बावजूद इसके आप से अब न तो केजरीवाल रूकने वाले हैं और न ही दिल्ली का शिक्षा और स्वास्थ्य मॉडल रूकने वाला है। केंद्र दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री को बंद करे या शिक्षा मंत्री पर कार्रवाई करे, दिल्ली और दिल्लीवासियों का कोई काम नहीं रूकेगा।

उन्होंने कहा कि संजय सिंह के मुताबिक, पहले भी अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया पर सीबीआई की रेड हुई और शुंगलू कमेटी ने 400 फाइलों की जांच करने के बाद क्लीन चीट दे दिया। अब जब विश्व में दिल्ली की शिक्षा नीति की तारीफ हो रही है तो भाजपा के लोगों ने प्रोपेगंडा फैला रखा है कि यह पेड न्यूज है जबकि इसी न्यूयॉर्क टाइम्स में कोरोना के कुप्रबंधन की भी खबर छपी थी, जिसमें लाखों लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा वाले भी न्यूयॉर्क टाइम्स में अपनी तारीफ में पेड न्यूज क्यों नहीं छपवा लेते? भाजपा के पास पैसे की कमी तो नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ जो रहता है, वो हरिश्चंद्र हो जाता है। येदुरप्पा भ्रष्टाचार के मामले में निकाले गए और फिर उनको पार्टी में लेकर संसदीय बोर्ड में शामिल कर लिया। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी 20 हजार करोड़, नितीन संदेसरा छह हजार करोड़, विजय माल्या नौ हजार करोड़ और ललित मोदी तीन हजार करोड़ लूटकर देश से ही भाग गया। गुजरात में जहरीली शराब का हर साल 10 हजार करोड़ रुपए का अवैध धंधा होता है, भाजपा बताए कि कितनों पर कार्रवाई हुई?

लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में भूकंप के झटके

5.2 रही तीव्रता, जान-माल के नुकसान की खबर नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखमऊ। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में शुक्रवार की देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 दर्ज की गई है। भूकंप के झटकों से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार उत्तर प्रदेश के लखनऊ से 139 किमी उत्तर-पूर्व में करीब 1.12 बजे 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप की गहराई जमीन से 82 किमी नीचे थी। नेपाल और भारत की सीमा पर स्थित भेरी नामक जगह इसका केंद्र बिंदु था। उत्तर प्रदेश में लखनऊ समेत लखीमपुर-खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सीतापुर, बाराबंकी, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर समेत नेपाल से सटे कई जिलों में देर रात झटके महसूस किए गए। इन झटकों से राजधानी के कई इलाकों में डर कर लोग घरों से बाहर आ गए।

सरकार से सवाल पूछना हो गया है गुनाह : भूपेश बघेल

महंगाई के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन करेगी कांग्रेस

दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर भी उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास पर सीबीआई के छापे पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने आप सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने केवल प्रोपेगेंडा किया है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर भी हमला बोला और सरकार से सवाल पूछने को गुनाह बताया है।

उन्होंने कहा कि आप पार्टी वालों ने कौन सा अच्छा काम किया है? केवल प्रोपेगेंडा किया है। दिल्ली में एक भी अस्पताल, स्कूल बनाया हो तो बता दें। केवल प्रचार किया है उसके अलावा कुछ नहीं किया। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज सरकार से सवाल पूछना गुनाह हो गया है। इस देश में सवाल पूछने की परंपरा है और यह परंपरा जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा महंगाई को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। सरकार द्वारा जिस प्रकार से आम जनता की आर्थिक स्थिति को नुकसान पहुंचाने का काम किया जा रहा है उसके खिलाफ ये प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और आवश्यक उत्पादों पर जीएसटी लगाया जा रहा है। इसने आम आदमी पर दबाव डाला है जो पहले से ही मुद्रास्फीति की चपेट में है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने दूध उत्पादों पर जीएसटी भी लगाया है, जिससे इसकी कीमतें बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार नागरिकों को इस मुद्रास्फीति से राहत देने में भी नाकाम रही है। हम इसका लगातार विरोध कर रहे हैं।

भाजपा को केंद्र की सत्ता से धोना पड़ेगा हाथ : ललन सिंह

नीतीश नहीं पीएम उम्मीदवार, अन्य दल चाहे तो बन सकते हैं विकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए विपक्ष का प्रधानमंत्री उम्मीदवार कौन होगा? इसे लेकर रोजाना नई-नई बातें सामने आ रही हैं। इस बीच जदयू चीफ ललन सिंह ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष के पीएम उम्मीदवार नहीं हैं। हालांकि, अन्य पार्टियां चाहें तो वे भी एक विकल्प बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार चाहते हैं कि भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष हो और वह इस दिशा में काम करेंगे। इससे पहले जदयू अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा को 2024 में केंद्र की सत्ता से हाथ धोना पड़ेगा। उसने 2019 में जितनी सीटें जीती हैं, उनमें 40 लोक सभा सीट तो सिर्फ तीन राज्यों से ही कम हो जाएंगी। सिंह ने कहा कि भाजपा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 2019 के मुकाबले 40 लोक सभा सीटें हार जाएगी।

राजभर ने सपा प्रमुख पर फिर साधा निशाना, कहा

चुनाव आयोग को दोष न दें अपनी कमियों को करें उजागर

पूछा, फिर सपा ने विधान सभा चुनाव में कैसे जीत ली 125 सीटें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को यह बताना चाहिए कि कैसे वह यूपी विधान सभा चुनाव में 125 सीटें जीत गए। अखिलेश यादव को चुनाव आयोग को दोष नहीं देना चाहिए, बल्कि अपनी कमियों को उजागर करना चाहिए।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव विधान सभा चुनाव में हार के लिए चुनाव आयोग पर गलत आरोप मढ़ रहे हैं। उन्हें चुनाव के दौरान टिकट बंटवारे से लेकर प्रचार अभियान तक की अपनी कमियों को उजागर करनी चाहिए। सही मायने में अखिलेश यादव को यह बोलना चाहिए कि चुनाव आयोग ने उन्हें 125 सीटें जितवा दी। नामांकन के अंतिम दिन तक जिस तरह से वह हर घंटे पर प्रत्याशियों के नाम बदल रहे थे, उसे देखते हुए 125 सीटों पर मिली जीत भी बड़ी है। अखिलेश को पता है कि 2024 के लोक सभा चुनाव में सपा की क्या स्थिति होने वाली है। यही वजह है कि वह अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को अभी से आगाह कर रहे हैं। वह बता रहे हैं कि पार्टी की हार का कारण चुनाव आयोग है ताकि 2024 में मिलने वाली हार का ठीकरा वह आयोग पर फोड़ सकें। गौरतलब है कि पिछले दिनों अखिलेश यादव ने आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग के कारण सपा विधान सभा चुनाव हार गयी।

दिल्ली की जनता जानती है कौन सही, कौन गलत!

4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने रखे विचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर सीबीआई छापे को लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा आमने-सामने आ गई है। आप नेता जहां इस पूरे मामले में साजिश कर सिसोदिया को फंसाने का आरोप लगा रहे हैं वहीं भाजपा नेताओं ने आबकारी घोटाले को लेकर मनीष सिसोदिया के जेल जाने को तय बताते हुए कटाक्ष किया कि वो सत्येंद्र जैन की तरह अपनी याददाश्त न खोएं। ऐसे में सवाल उठता हैं कि सत्येन्द्र जैन के बाद मनीष सिसोदिया? बचेगी या खत्म हो जाएगी आम आदमी पार्टी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार ऋषि मिश्रा, दिनेश के वोहरा, शुभ लक्ष्मी, वैभव माहेश्वरी आप (प्रवक्ता) और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

ऋषि मिश्रा ने कहा कि घोटाला हुआ या नहीं, आरोप तो है। ऐसे में जांच तो होनी ही चाहिए। सवाल यह है कि यदि जांच में साक्ष्य नहीं मिल पाते हैं तो जो राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ता है संबंधित व्यक्ति को उसकी भरपाई कौन करेगा?

शुभ लक्ष्मी ने कहा दिल्ली में जो शिक्षा क्रांति आई हैं, उसको मैंने बहुत नजदीक से देखा है। वर्तमान सरकार में जो क्रांति हैं, उसमें तो कोई शक ही नहीं है। जनता सब कुछ समझती हैं किस तरह टारगेट किया जा रहा है। न्यूयार्क टाइम्स में खबर छपी और उसी दिन रेड की गयी। जो खुद भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े हैं, ऐसे में लोग समझते हैं कि क्या हो रहा है। दिनेश के बोहरा ने इस मुद्दे को दो हिस्सों में बांटा, एक नीति निर्माण और दूसरा इम्पलीटेशन। नीति के ऊपर सवाल नहीं उठाए जा सकते। चैलेंज नहीं किया जा सकता। जब लागू करते हैं यदि उसमें भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी समीक्षा कर सकते हैं, कार्रवाई के लिए भी कह सकते हैं। शराब बंदी कौन सी नीति थी बिहार-गुजरात में। नीति पर चलते हैं, जो सरकार बनाती है। वैभव माहेश्वरी ने कहा कि इस देश में जो तानाशाही हावी हो रही थी उसी दिल्ली में एजुकेशन मॉडल ने जन्म ले लिया। ऐसे लोगों को सत्ता में ले आए जो ईमानदार है, वेलपावर है। जिन्होंने तमाम अड़चनों के बावजूद वो कर दिखाया, जिसकी तारीफ न्यूयार्क टाइम्स ने की है। प्रचारवीर को यह बात बहुत बुरी लगी मगर दिल्ली वाले डरते नहीं, पसंद तो ईमानदार को ही करेंगे। अभिषेक कुमार ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

केन्द्रीय जांच एजेंसी को लेकर कपिल सिब्बल का केन्द्र पर निशाना, बोले-

भगवा हो गए सीबीआई के पंख

» राज्यसभा सांसद बोले, तोता वही करता है जो मालिक कहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने शनिवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पिंजरे का तोता आजाद हो गया है। उन्होंने जांच एजेंसी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा है। गुरुवार को सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के आवास पर छापामार कार्रवाई की थी।

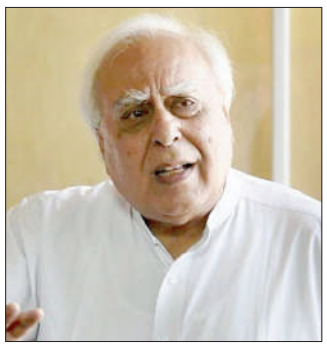

सिब्बल ने ट्वीट किया कि सीबीआई, कभी एक पिंजरे का तोता रहा, अब आजाद हो गया है। उन्होंने लिखा कि इसके पंख भगवा हो गए हैं। साथ ही सिब्बल ने प्रवर्तन निदेशालय को भी सीबीआई के पंख करार दिया है। उन्होंने लिखा इसका मालिक जो कहता है, वह तोता करता है। कल उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेताओं पर हुई कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। बता दें कि कल सिसोदिया के आवास पर हुई सीबीआई की जांच देर शाम तक चली। आप नेता ने बताया है कि जांच एजेंसी ने उनका कंप्यूटर और मोबाइल फोन ले लिया है। इधर, संजय सिंह, राघव चड्ढा समेत बड़े आप नेताओं का सरकार पर हमला जारी है। पीसी में आरोप लगाए जा रहे हैं कि सरकार दिल्ली के विकास मॉडल को निशाना बना रही है। सिब्बल ने सिसोदिया के आवास पर जारी रेड को लेकर ट्वीट किया। कहा, अब जब केजरीवाल का उदय हो रहा है, तो यह बीजेपी को अस्थिर करने का समय है। साथ ही उन्होंने सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय को सरकार के हाथ बताया है। उन्होंने ट्वीट में दिल्ली सरकार में मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ हुई कार्रवाई का भी जिक्र किया है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन को गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2013 में कोयला आवंटन मामले की सुनवाई कर रहा था। उस दौरान जस्टिस आरएम लोढ़ा ने पिंजरे के तोते की बात कही थी। साथ ही उन्होंने सवाल किया था कि पिंजरे में बंद तोते को रिहा करने में कितना समय लगेगा। हाल ही में सिब्बल ने शीर्ष न्यायालय के काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए थे।

विदेशी निवेशकों को उनकी भाषा में मिलेगी नीतियों की जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जिस देश के निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा, उससे संबंधित नीतियां उनकी मातृ भाषा में ही उन्हें उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए औद्योगिक नीति समेत 27 सेक्टोरल नीतियों का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का फैसला किया गया है। अगले साल के प्रारंभ में यूपी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य निवेश बढ़ाना है, ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें। इसलिए प्रदेश में नई औद्योगिक एवं निवेश नीति समेत अलग-अलग सेक्टरों से संबंधित 27 नीतियों के मसौदे तैयार किए जा रहे हैं। इस कार्य में विशेषज्ञ संस्थाओं व व्यक्तियों की मदद ली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, नीतियों के मसौदे अगस्त के अंत तक मुकम्मल कर दिए जाएंगे और सितंबर में इन्हें कैबिनेट से पास करा लिया जाएगा। उसके बाद ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए देश-विदेश में रोड शो होंगे। इनमें सरकार के नुमाइंदों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी भी हिस्सा लेंगे। सभी की जिम्मेदारियां तय होंगी। विदेश में रोड शो के दौरान ही वहां के निवेशकों को उनकी भाषा में नीतियों की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएंगी। पहले चरण में जर्मन, फ्रेंच, जापानी, अंग्रेजी आदि भाषाओं में इन नीतियों के अनुवाद की तैयारी की जा रही है।

आरजेडी मंत्रियों के नई गाड़ी खरीदने, पैर छुआने पर रोक

» विवादों के बीच बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने खींची लक्ष्मण रेखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में नीतीश सरकार के नेतृत्व में महागठबंधन की नई सरकार बनने के बाद से ही आरजेडी कोटे के मंत्री विवादों में आ गए हैं। मंत्रियों की छवि सुधारने के लिए डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है।

तेजस्वी ने आरजेडी के मंत्रियों से कहा कि कोई भी नई गाड़ी नहीं खरीदेंगे और साथ ही किसी भी कार्यकर्ता को अपने पैर नहीं छूने देंगे। साथ ही उन्हें ईमानदार रहने और शालीन व्यवहार करने की सलाह दी गई है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शनिवार को अपनी पार्टी के मंत्रियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। इसमें कहा गया कि आरजेडी कोटे के मंत्री अपने लिए विभाग में नई गाड़ी नहीं खरीदेंगे। साथ ही उम्र में उनसे बड़े कार्यकर्ता, समर्थक या किसी भी शख्स को पांव नहीं छूने देंगे। लोगों से शिष्टाचार भेंट करते वक्त हाथ जोड़कर नमस्ते या आदाब की परंपरा को ही बढ़ावा देंगे। तेजस्वी ने कहा कि सभी मंत्री सौम्य और शालीन व्यवहार अपनाएं। सादगी से पेश आते हुए सभी जाति-धर्म के लोगों की मदद करें। किसी से भी भेंट के रूप में गुलदस्ता या फूल की बजाय किताब-कलम लेने के कल्चर को बढ़ावा दें। आरजेडी मंत्रियों के भ्रष्टाचार समेत अन्य आपराधिक मामलों से विवादों में आने के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सभी को ईमानदारी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री अपने विभागीय कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता, तत्परता और तुरंत एक्शन की कार्यशैली को बढ़ावा दें। साथ ही अपने विभागों की योजनाओं और कार्यों का सोशल मीडिया पर लगातार प्रचार-प्रसार करें।

सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी देने वाले काल की गहन जांच का आदेश दिया।

बोम्मई ने कहा कि राज्य सरकार ने सिद्धारमैया को जान से मारने की धमकी के मुद्दे को गंभीरता से लिया है और उनसे इस संबंध में गहन जांच का वादा किया है।

बोम्मई ने कहा हमने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। मैंने पुलिस महानिदेशक को भी फोन किया था और उनसे बात की थी। पुलिस मामले की जांच करेगी। मैंने विपक्ष के नेता को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। किसी को भी ऐसा बयान नहीं देना चाहिए, जो दूसरों के दिमाग को भड़काए। वहीं वीडी सावरकर पर अपनी टिप्पणी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना कर रहे कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि अगले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद वे उन्हें सबक सिखाएंगे।

कांग्रेसियों ने राजीव गांधी की जयंती पर अर्पित की पुष्पांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 78वीं जयंती पर देश उनको नमन कर रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के जन्म दिन पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने भी उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। स्वर्गीय राजीव गांधी 1984 से 1990 तक देश के प्रधानमंत्री थे। वह उत्तर प्रदेश के अमेठी से लगातार दो बार लोकसभा सदस्य रहे। वह पहली बार 1981 तथा दूसरी बार 1986 में सांसद बने थे।

नई दिल्ली के वीर भूमि में उनकी समाधि पर कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव तथा उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनको नमन किया। लखनऊ में कालीदास मार्ग चौराहे पर लगी स्वर्गीय राजीव गांधी की प्रतिमा पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। इन सभी ने स्वर्गीय राजीव गांधी को भारत में संचार क्रांति का पुरोधा बताया और उनके दिखाए गए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया। इन सभी ने स्वर्गीय राजीव गांधी को 21वीं सदी के सशक्त भारत का निर्माता बताया। साथ ही कहा कि आपके दिखाए गए स्वर्णिम भारत के सपने और रास्ते हमारे लिए प्रेरणास्रोत और मार्गदर्शक हैं।

गोरखपुर से फतेहगढ़ जेल भेजा गया माफिया राजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखपुर जेल प्रशासन ने शासन के निर्देश पर माफिया व पूर्व विधायक राजन तिवारी को शनिवार की सुबह प्रशासनिक आधार पर फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ सेंट्रल जेल भेज दिया। गैंगस्टर कोर्ट से वारंट जारी होने के बाद भी पेशी पर न आने वाले राजन तिवारी के खिलाफ 17 साल से गैर जमानती वारंट जारी हो रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुरुवार को राजन को बिहार में रक्सौल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था।

दरअसल, प्रदेश के 61 माफिया की सूची में शामिल राजन तिवारी के खिलाफ 15 मई 1998 में कैंट थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की थी। उसके अलावा दाउदपुर निवासी दुर्दांत श्रीप्रकाश शुक्ल, मोहद्दीपुर निवासी अनुज सिंह, संतकबीरनगर के महुली थानाक्षेत्र के जोरवा निवासी आनंद पांडेय को भी आरोपित बनाया गया था। श्रीप्रकाश शुक्ल, आनंद व अनुज को एसटीएफ ने मुठभेड़ में मार गिराया था। इस मामले में आरोपित राजन तिवारी ही जिंदा है जो दो दशक से बिहार के पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के गोविंदगंज में रहता था।

महाकुंभ से पहले संगम नगरी का होगा कायाकल्प

कैबिनेट मंत्री नंदी बोले, जल्द ही शुरू होंगी स्पेशल ट्रेनें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि रेलवे ने 2025 महाकुंभ की तैयारी शुरू कर दी है। वह प्रयागराज के लिए कई विशेष ट्रेनें शुरू करेगा। रेल मंत्री के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरों को यूपी के कैबिनेट मंत्री नंदी ने अपने ट्विटर अकाउंट पर भी शेयर किया है। उन्होंने बताया कि रेल मंत्री से शिष्टाचार भेंट कर उत्तर प्रदेश की विभिन्न रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

बता दें कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में 2025 में महाकुंभ का आयोजन होना है। इसे लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। प्रदेश सरकार 2019 के दिव्य व भव्य कुंभ की तरह इसे भी शानदार तरीके से आयोजित करने की तैयारी में हैं। इसके लिए यूपी सरकार ने 100 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बजट में शामिल किया है। महाकुंभ से पहले संगम नगरी के कायाकल्प की तैयारी है। यहां फ्लाई ओवर, रेलवे ओवर ब्रिज, सड़कों के विस्तार समेत कई बड़े कार्य कराए जाएंगे। मठ-मंदिरों से लेकर धर्मशाला और गेस्ट हाउस तक के मरम्मत होंगे। इस बार ऐसी व्यवस्था हो रही है कि श्रद्धालु जल, थल, रेल तथा हवाई मार्ग से तीर्थराज आ सकेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।